No. of Printed Pages : 4

MSK–005

स्नातकोत्तर कला उपाधि (संस्कृत)

(एम. एस. के.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

एम.एस.के.-005 : वैदिक वाङ्मय एवं भारतीय संस्कृति और सभ्यता

समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 100

नोट : *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्न-पत्र में तीन खण्ड हैं। प्रत्येक खण्ड में दिये गये निर्देशानुसार ही उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

1. निम्नांकित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

$10 \times 5 = 50$

(क) वेद के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

(ख) अथर्ववेद संहिता का संक्षिप्त परिचय देते हुए प्रतिपाद्य वस्तु को स्पष्ट कीजिए।

(ग) ऋग्वेदीय ब्राह्मणों का सम्पूर्ण परिचय लिखिए।

(घ) आरण्यकों के महत्व पर प्रकाश डालिए।

(ङ) उपनिषदों के रचनाकाल पर प्रकाश डालिए।

(च) वैदिककालीन राजनीतिक जीवन पर एक निबन्ध लिखिए।

(छ) वेदांगों में व्याकरण के महत्व को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड—ख

2. निम्नलिखित मन्त्रों में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिए :

$5 \times 2 = 10$

(क) अग्निर्होता कविक्रतुः सत्यश्चित्रश्रवस्तमः।
देवो देवेभिरागमत्।।

(ख) तस्माद्यज्ञात्सर्वहुत ऋचः सामानि जज्ञिरे।

छन्दांसि जज्ञिरे तस्माद् युजुस्तस्मादजायत।।

(ग) य आत्मदा बलदा यस्य विश्व उपासते प्रशिषं यस्य देवाः।

यस्य छायामृतं यस्य मृत्युः कस्मै देवाय हविषा विधेम्।।

खण्ड—ग

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर टिप्पणियाँ लिखिए : $6\times5=30$

(क) षड्भाव विकार

(ख) हिरण्य का निर्वचन

(ग) पुरुषार्थ चतुष्टय

(घ) अवतारों की संकल्पना

(ङ) पुराणों में प्रतिपादित धर्म

(च) महाभारत में वर्ण

(छ) प्राचीन भारत में नारी

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिए :

$5 \times 2 = 10$

(क) प्लुतप्रगृह्या अचि नित्यम्

(ख) अवपथासि च

(ग) दीर्घाऽटि समानपदे

(घ) छन्दसि वाऽप्राम्रेडितयोः

× × × × ×